आदिवासी जन समुदाय हेतु वैज्ञानिक पद्धति द्वारा बकरी पालन– आय का उत्तम साधन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विस्तार शिक्षा विभाग जबलपुर द्वारा दिनांक 08.03. 2018 गुरूवार को प्रातः 10:30 बजे विकासखण्ड़, बीजाडांडी के ग्राम घुघरी में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा पोषित परियोजना 'सतत् पशु धन विकास द्वारा आदिवासी जन समुदाय का सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान' जनजातीय उप योजना के तहत वैज्ञानिक पद्धति से बकरी पालन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बकरी एक बहु उद्देश्यीय पशु है जो कि भारत के सभी निर्बल/छोटे भूमिहीन किसानों द्वारा अपनी विषम परिस्थितियों में जीवन निर्वाह के लिए सहचर रूप से उपयोग होती है। इसके अलावा बकरी का दूध बच्चों व बुजुर्गों के लिये बहुत सुपाच्य होता है एवं इसका मांस पशुजन्य प्रोटीन की आपूर्ति के लिए एक अच्छा स्त्रोत है । मध्यप्रदेश में बकरी पालन व्यवसाय में वृद्धि की प्रचुर संभावनायें हैं। यहां मुख्य रूप से सिरोही, जमुनापारी, बारबरी नस्ल की बकरियां पाली जाती हैं जो कि दुग्ध व मांस उत्पादन दोनों के लिए उत्तम है। अतः इन सभी बातों पर ध्यान रखते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम घुधरी, जिला मंडला, के आदिवासी समुदाय के स्वयं सहायता समूहों के लिये परियोजना अन्वेषक डॉ. रूचि सिंह, के द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण में विभिन्न विषयों के वैज्ञानिकों ने भाग लिया व डॉ. दानवीर यादव के द्वारा बकरी पालन से संबंधित नस्लों की जानकारी, रखरखाव व खानपान व्यस्था, एवं डॉ. अर्पना रैकवार द्वारा बीमारियों से बचाव, टीकाकरण इत्यादि के बारे में जानकारियाँ दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, एवं अधिष्ठाता डॉ आर.पी.एस. बघेल, का सराहनीय योगदान रहा।

डॉ. ओ.पी.श्रीवास्तव
सूचना एवं जनसपंर्क अधिकारी
नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय
जबलपुर (म.प्र.)